CBSE Class 8 Social Science Important Questions Geography Chapter 1 संसाधन

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
संसाधन से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
प्रत्येक वस्तु जिसका उपयोग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जा सकता है, वह संसाधन है।

प्रश्न 2.
ऐसे कोई दो संसाधनों का उदाहरण दीजिए जिनका कोई आर्थिक मूल्य नहीं होता है।
उत्तर:

- स्वच्छ वातावरण
- एक झील का मनोरम दृश्य।

प्रश्न 3.
पेटेन्ट का क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
पेटेन्ट का तात्पर्य किसी विचार अथवा आविष्कार पर एकमात्र अधिकार से है।

प्रश्न 4.
प्रौद्योगिकी का क्या अर्थ है?
उत्तर:
किसी कौशल करने अथवा वस्तु बनाने में नवीनतम ज्ञान का अनुप्रयोग प्रौद्योगिकी है।

प्रश्न 5.
संसाधनों के प्रकारों के नाम लिखिए।
उत्तर:

- प्राकृतिक संसाधन,
- मानव निर्मित संसाधन,
- मानव संसाधन।

प्रश्न 6.
प्राकृतिक संसाधनों से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
वे संसाधन जो प्रकृति से प्राप्त होते हैं और अधिक संशोधन के बिना उपयोग में लाए जाते हैं, प्राकृतिक संसाधन कहलाते हैं।

प्रश्न 7.
प्राकृतिक संसाधनों को विस्तृत रूप से कितने भागों में विभाजित किया जा सकता है?
उत्तर:
दो भागों में-

- नवीकरणीय संसाधन
- अनवीकरणीय संसाधन।

प्रश्न 8.
प्राकृतिक संसाधनों का वितरण किन कारकों पर निर्भर करता है?
उत्तर:
प्राकृतिक संसाधनों का वितरण भू-भाग, जलवायु, ऊँचाई जैसे अनेक भौतिक कारकों पर निर्भर करता है।

प्रश्न 9.
सततपोषणीय विकास किसे कहते हैं?
उत्तर:
संसाधनों का उपयोग करने की आवश्यकता और भविष्य के लिए उनके संरक्षण में सन्तुलन बनाए रखना, सततपोषणीय विकास कहलाता है।

प्रश्न 10.
सततपोषणीय विकास के कोई दो सिद्धान्त बताइए।
उत्तर:

- जीवन के सभी रूपों का आदर और देखभाल करनी चाहिए।
- मानव जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना चाहिए।

प्रश्न 11.
संसाधन संरक्षण के तरीके बताइये।
उत्तर:

- उपयोग को कम करना
- वस्तुओं का पुनः चक्रण करना
- वस्तुओं का पुनः उपयोग करना।

प्रश्न 12.
मानव संसाधन विकास किसे कहते हैं?
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

अधिक संसाधनों के निर्माण में समर्थ होने के लिए लोगों के कौशल में सुधार करना मानव संसाधन विकास कहलाता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
संसाधन से आपका क्या अभिप्राय है? एक वस्तु अथवा पदार्थ संसाधन कब बनता है?
उत्तर:
हमारे जीवन में अनेक पदार्थ हैं जो हमारे लिए उपयोगी होते हैं। प्रत्येक वस्तु अथवा पदार्थ जिसका उपयोग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाता है, संसाधन कहलाता है। उदाहरण के लिए हवा, पानी, खाद्य पदार्थ, बर्तन, कपड़े, वाहन आदि सभी संसाधन होते हैं । एक वस्तु अथवा पदार्थ की उपयोगिता अथवा प्रयोज्यता उसे एक संसाधन बनाती है। कुछ संसाधनों का आर्थिक मूल्य होता है, जबकि कुछ संसाधनों का आर्थिक मूल्य नहीं होता है किन्तु फिर भी वे हमारे लिए उपयोगी होते हैं।

प्रश्न 2.
नवीकरणीय तथा अनवीकरणीय संसाधनों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
नवीकरणीय संसाधन-नवीकरणीय संसाधन वे संसाधन होते हैं जो शीघ्रता से नवीकृत अथवा पुनः पूरित हो जाते हैं। प्रायः नवीकरणीय संसाधन असीमित मात्रा में होते हैं, जैसे-हवा, सूर्य का प्रकाश आदि।
अनवीकरणीय संसाधन-अनवीकरणीय संसाधन वे संसाधन हैं जिनका भण्डार सीमित है। भण्डार एक बार समाप्त होने के बाद उनके नवीकृत अथवा पुनः पूरित होने में हजारों वर्ष लग सकते हैं, जैसे-कोयला, पैट्रोलियम, प्राकृतिक गैस आदि।

प्रश्न 3.
संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
संसाधन कई प्रकार के होते हैं जिनमें से अधिकांश संसाधन ऐसे होते हैं जिनकी मात्रा सीमित होती है तथा जिन्हें पुनः पूरित होने में वर्षों लग जाते हैं। यदि विभिन्न संसाधनों का अत्यधिक तथा अनावश्यक उपयोग किया जाएगा तो वे समाप्त हो जाएंगे तथा भावी पीढ़ी के सम्मुख अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो जाएँगी। उदाहरण के लिए, जल असीमित संसाधन प्रतीत होता है किन्तु कई जगह जल संकट उत्पन्न हो गया है। अतः संसाधनों का संरक्षण अति आवश्यक है।

प्रश्न 4.
मानव निर्मित संसाधन से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
कभी-कभी प्राकृतिक पदार्थ तब संसाधन बन जाते हैं जब व्यक्तियों द्वारा उनका मूल स्वरूप बदल दिया जाता है। लौह-अयस्क उस समय तक संसाधन नहीं था जब तक लोगों ने उससे लोहा बनाना नहीं सीखा था। लोग प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग पुल, सड़क, मशीन और वाहन बनाने में करते हैं जो मानव निर्मित संसाधन के नाम से जाने जाते हैं। प्रौद्योगिकी भी एक मानव निर्मित संसाधन है।

प्रश्न 5.
सततपोषणीय विकास के प्रमुख सिद्धान्त क्या हैं?
उत्तर:

सततपोषणीय विकास के लिए कुछ प्रमुख सिद्धान्त निम्न प्रकार हैं-
(क) जीवन के सभी रूपों का आदर और देखभाल करना।
(ख) मानव जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना।
(ग) पृथ्वी की जीवन शक्ति और विविधता का संरक्षण करना।
(घ) प्राकृतिक संसाधनों के ह्रास को कम से कम करना।
(ङ) पर्यावरण के प्रति व्यक्तिगत व्यवहार और अभ्यास में परिवर्तन करना।
(च) समुदायों को अपने पर्यावरण की देखभाल करने योग्य बनाना।

https://www.evidyarthi.in/